ANNUAL EXAMINATION : 2022-23

CLASS - IX (ICSE)

Time: 3 hrs. **HINDI** M.M.: 80

Note :- Answer to this paper must be written on the paper provided separately.
You will not be allowed to write during the first 15 minutes.
This time is to be spent in reading the question paper.
The time given at the head of this paper is the time allowed for writing the answers.
This paper consist of two section. Section 'A' and Section'B'. Attempt all the questions from Section 'A'.
Attempt any four questions from Section 'B'. One question from each of the two books you have studied and any other two questions from the same section.
The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ] .

SECTION 'A' [40 Marks]

Attempt all questions.

Q.1. Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics :
निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए – [15]

i) प्रातः कालीन भ्रमण से अनेक लाभ हैं। क्या आप प्रातः भ्रमण के लिए जाते हैं ? बताइए कि प्रातः काल का दृश्य कैसा होता है ?

ii) बड़ों से हम तभी कुछ अपेक्षाएँ रख सकते हैं जब हम अपने कर्त्तव्यों का पालन करें। इस तर्क से आप कहाँ तक सहमत हैं ?

iii) जल ही जीवन है। वर्तमान में जल संकट एक विकट समस्या है। इस समस्या पर विचार करते हुए समाधान के विषय में लिखें।

iv) 'बिना विचारे जो करे, सो पाछे पछताए' उक्ति के आधार पर एक मौलिक कहानी लिखिए।

v) कम्प्यूटर आज के युग की अनिवार्यता बन गया है। कम्प्यूटर की उपयोगिता एवं इसकी सीमाओं की समीक्षा कीजिए।

vi) नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए। चित्र को आधार बनाकर उसका परिचय देते हुए कोई लेख, घटना अथवा कहानी लिखिए। कहानी का सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए–

Q.2. Write a letter in Hindi of approximately 120 words on any one of the topics given below :
निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए – [7]

i) अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य / प्रधानाचार्या जी को पत्र लिखकर अपने विषय परिवर्तन की प्रार्थना कीजिए।

अथवा

ii) आपका छोटा भाई काम से मन चुराता है उसे पत्र लिखकर समझाइए कि 'परिश्रम ही सफलता की कुंजी है।'

Q.3. Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own language as for as possible :

निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए : –

एक दिन महान यशस्वी दार्शनिक कन्फ्यूशियस वन में एकान्त स्थान पर चिन्तन –मनन में लीन बैठे थे। अकस्मात् ही सम्राट उधर से गुजरा। उन्हें इस सर्वथा निश्चिन्त एवं आनन्दमयी मुद्रा में बैठे देखकर कौतूहलवश सम्राट ने उनसे पूछा– "तुम कौन हो ?"

"मैं महान् सम्राट हूँ" कन्फ्यूशियस ने बड़े आत्मविश्वास से कहा।

"सम्राट !" सम्राट ने विस्मित होकर कहा, "वन में एकान्त स्थान पर एकाकी बैठे हो और अपने आपको सम्राट कहते हो। तुम सम्राट कैसे हो ?"

कन्फ्यूशियस ने प्रत्युत्तर में पूछा, "आप कौन हैं ?" सम्राट ने उत्तर देते हुए कहा, "वास्तव में सम्राट मैं हूँ। मेरे पास अनगिनत नौकर–चाकर हैं, विशाल अजेय सेना है, अक्षय धन के कोश हैं, विपुल वैभव है और विस्तृत साम्राज्य है तुम तो अकेले ही जंगल में बैठे हो और अपने आपको सम्राट कह रहे हो! तुम्हारी यह मान्यता मात्र आत्म–भ्रान्ति ही नहीं तो और क्या है ? तुम सम्राट नही हो, यही निश्चित सत्य है।" प्रतिभा सम्पन्न कन्फ्यूशियस ने बड़े गम्भीर तथा संयत स्वर में उत्तर देते हुए कहा, "अनुचरों की आवश्यकता उसे पड़ती है जो आलसी हो, परावलम्बी हो। मैं सतत् कर्मण्य रहता हूँ, स्वावलम्बी हूँ। किसी भी कार्य के लिए परमुखापेक्षी नहीं हूँ, अतः मेरे साम्राज्य में नौकरों की आवश्यकता नहीं है।"

"सेना की आवश्यकता उसे होती है जो असुरक्षा की भावना से ग्रसित हो। असुरक्षा का भय उसे होता है जिसके शत्रु हों। शत्रु उसके होते हैं जो स्वहित को परहित एवं जनहित से श्रेयस्कर समझता है और वह अपने इस हित को प्राप्ति के मार्ग में बाधाओं की आशंका से सर्वदा त्रस्त रहता है। मैं इस प्रकार की निकृष्ट कामनाओं और इच्छाओं से पीड़ित नहीं हूँ। अतः सारे संसार में मेरा कोई शत्रु नहीं है इसलिए मेरे साम्राज्य में सैन्यबल की भी आवश्यकता नहीं है।"

"धन और वैभव उसको चाहिए जो निर्धन हो। निर्धन वह है जो अपने मन का स्वामी न होकर विषयों के पीछे भागता है, विषय–लोलुप है। मैं तो आत्मकाम और आत्मतृप्त हूँ। इसलिए मेरे साम्रज्य में धन भी वांछनीय नहीं है।"

अब आप ही बताइए कि असली सम्राट कौन है, सम्राट कुछ बोला नहीं। उसने लज्जा से अपना सिर झुका लिया।

क) कौतूहल किसको और क्यों हुआ ? [2]

ख) सम्राट ने कन्फ्यूशियस से क्या पूछा? [2]

ग) सम्राट ने अपनी और कन्फ्यूशियस की तुलना करते हुए क्या कहा ? [2]

घ) अनुचरों की आवश्यकता बताते हुए कन्फ्यूशियस ने क्या कहा ? [2]

ङ) सैन्यबल की आवश्यकता किसको और क्यों होती है ? [2]

Q.4. Answer the following according to the instructions given below :

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए–

i) 'उत्तम' का विलोम बताइए – [1]
a) निम्न b) अधम c) विषम d) परम

ii) 'पवन' के पर्यायवाची बताइए – [1]
a) वायु–गिरा b) अनल–अनिल
c) अनिल–वात d) इनमें से कोई नहीं

iii) 'हरा' की भाववाचक संज्ञा बताइए – [1]
a) हरापन b) हरियाली c) हरी d) हराना

iv) 'सप्ताह' का विशेषण बताइए – [1]
a) सप्ताहिक b) साप्ताहिक c) साप्तहिक d) सप्तहिक

v) 'अतिथी' का शुद्ध रूप बताइए– [1]
a) अतीथि b) अतिथि c) आतिथ्य d) आतिथि

vi) 'रफूचक्कर हो जाना' मुहावरे का अर्थ बताइए – [1]
a) भागना b) भाग जाना
c) भागने देना d) भगा देना

vii) निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए – [1]

तुम्हारा उत्तर सुनकर मै संतुष्ट हुआ। (मैं के स्थान पर 'मुझे' का प्रयोग कीजिए)

a) तुम्हारा उत्तर सुनकर मुझे संतोष हुआ।
b) तुम्हारा उत्तर सुनकर मुझे संतोष होगा ?
c) तुम्हारा उत्तर मुझे संतुष्ट करता है।
d) तुम्हारा उत्तर सुनकर मुझे संतुष्ट होना है।

vii) निर्देशानुसार उचित वाक्य बताइए – [1]

राजा के रोग से सारे देश में उदासी छा गई। (वाक्य में 'कर दिया' का प्रयोग कीजिए)

a) राजा के रोग ने सारे देश की प्रजा को उदास कर दिया।
b) राजा के रोग ने सारे देश को उदास कर दिया।
c) राजा ने सारे देश को रोग से उदास कर दिया।
d) रोग के कारण देश के राजा ने प्रजा को उदास कर दिया।

SECTION 'B' [40 Marks]

(Attempt four questions from this section)

साहित्य सागर (संक्षिप्त कहानियाँ)

Q.5. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए–

"नहीं सेठ, आज आपने भारी यज्ञ किया है महाराज! उसे बेचोगे तो हम खरीद लेंगे, नहीं तो नहीं।"

i) उपर्युक्त पंक्तियाँ किसने, किससे कहीं ? [2]
ii) उन दिनों कौन सी प्रथा प्रचलित थी ? [2]
iii) सेठ जी ने रास्ते में कौन सा महायज्ञ किया ? [3]
iv) सेठ जी कुंदनपुर क्यों गए थे ? [3]

Q.6. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए–

"घर पहुँचा तो छोटे से मकान में सामान की ठूसमठास और बच्चों की भीड़ देखकर मेरा दम घुटने लगा।"

i) लेखक कहाँ गया था ? [2]
ii) श्यामलाकांत का परिचय देते हुए बताइए कि लेखक से उनका क्या सम्बन्ध था ? [2]
iii) श्यामलाकांत ने अपनी आवास की समस्या के विषय में क्या बताया ? [3]
iv) बढ़ती जनसंख्या का क्या दुष्परिणाम है ? [3]

Q.7. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए–

"महत्व मूर्ति के रंग–रूप या कद का नहीं, उस भावना का है वरना तो देश–भक्ति भी आजकल मज़ाक की चीज़ होती जा रही है।"

i) यह विचार किसका है ? हालदार साहब किसकी सराहना कर रहे हैं ? [2]
ii) दूसरी बार हालदार साहब ने क्या देखा ? [2]
iii) मूर्ति कैसी थी और उसे देखकर क्या याद आने लगता था ? [3]
iv) मूर्ति किसने बनायी थी और उसमें क्या कमी थी ? [3]

साहित्य–सागर (पद्य–भाग)

Q.8. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए–

"वह आता
दो टूक कलेजे के करता पछताता पथ पर आता।
पेट पीठ दोनों मिलकर हैं एक
चल रहा लकुटिया टेक।"

i) भिक्षुक किस प्रकार पथ पर आता है ? [2

ii) भिक्षुक क्यों पछताता है ? [2]

iii) 'पेट पीठ दोनों मिलकर हैं एक' पंक्ति से क्या तात्पर्य है ? [3]

iv) भिक्षुक की दशा देखकर हृदय में कैसा भाव आता है ? [3]

Q.9. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए–

"बूढे पीपल ने आगे बढ़कर जुहार की
बरस बाद सुधि लीन्हीं।"

i) बूढ़े पीपल ने मेघों का अभिवादन किस तरह से किया ? [2]

ii) लता मेघों को किस प्रकार देखती है ? [2]

iii) परात में पानी भरकर कौन और क्यों लाया ? [3]

iv) लता मेघों से क्या शिकायत करती है ? [3]

Q.10. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए–

"जाके प्रिय न राम वैदेही।
तजिए ताहि कोटि वैसी सम जदपि परम सनेही।।
तज्यो पिता प्रहलाद, विभीषण बन्धु भरत महतारी।
बलि गुरु तज्यो, कंत ब्रज बनितहि, भए मुद मंगलकारी।।"

i) किस व्यक्ति को शत्रु के समान छोड़ देना चाहिए ? [2]

ii) निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए– [2]
वैरी, बन्धु, महतारी, कंत

iii) प्रहलाद ने किसे और क्यों छोड़ा ? [3]

iv) भरत की माँ कौन थीं ? भरत ने अपनी माँ का त्याग क्यों किया ? [3]

#####